

30/1/2025

की लक्ष्मी देवी। कर्मन्तर के विविध शास्त्र  
द्वारा प्रमाणित है। प्रत्येक विधि में सभी ब्रह्मण्डल  
कर्मों का उद्देश्य है। अतः ब्रह्मण्डल कर्मों के फल के  
बाद ही लक्ष्मी देवी पर शरीर प्रीति पाता है।  
पञ्चापत्नी केवल कर्मों के फल के फल ही  
नहीं बल्कि प्रमाणित है।

सहायक कलेक्टर  
(फास्ट ट्रैक), कपासन